सबसे कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली

स्रोत: द हिंदू

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा तट से सबसे कम दूरी **की वायु रक्षा प्रणाली (VSHORADS)** के लगातार तीन उड़ान का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

- **VSHORADS:** यह एक **मानव-पोर्टेबल प्रणाली है जिसे अनुसंधान केंद्र** द्वारा अन्य DRDO प्रयोगशालाओं के सहयोग से विकसित किया गया है।
  - इसका वजन हल्का, **अधिकतम सीमा 8 किमी** तथा यह **4.5 किमी तक की ऊँचाई पर स्थित लक्ष्यों** पर निशाना लगा सकता है।
  - इस प्रणाली में बहुत कम ऊँचाई और उच्च गति पर उड़ने वाले ड्रोन सहित हवाई खतरों को ध्वस्त करने की क्षमता है।
  - इसे भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं: **सेना, नौसेना और वायु सेना** की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - VSHORADS मिसाइल में उन्नत प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं, जैसे **लघु प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (miniaturized Reaction Control System- RCS)** और **इंटीग्रेटेड एवियोनिक्स** (मिसाइल नियंत्रण और नेविगेशन), जिनका कम ऊँचाई वाले हवाई खतरों को ध्वस्त करने के लिये सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।
- **महत्व:** VSHORADS प्रणाली एक **महत्वपूर्ण वायु रक्षा उपकरण है**, जो युद्ध के परिदृश्यों में हवाई खतरों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करता है।
  - यह **ड्रोन** और अन्य **घूमने वाले हथियारों के उभरते खतरे से निपटने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है** , जिनका आधुनिक युद्ध में तेजी से उपयोग किया जा रहा है।

और पढ़ें: बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (VSHORADS)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/very-short-range-air-defence-system-1